Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding linking of Ken-Betava river in Madhya Pradesh.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़): माननीय सभापति महोदय, मध्य प्रदेश का बुंदेलखण्ड कम वर्षा के कारण अक्सर सूखे की समस्या से ग्रसित होता है । मेरे संसदीय क्षेत्र टीकमगढ़, छतरपुर सहित, पन्ना, दतिया और आसपास के जो जिले हैं, उनके साथ ही साथ उत्तर प्रदेश के कई जिलों में सूखे के कारण जहां एक ओर किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पाता है, वहीं पेयजल की गम्भीर समस्या का सामना करना पड़ता है । ...(व्यवधान)

श्री रवनीत सिंह: मुझे कान्क्लूड करने का टाइम दें ।...(व्यवधान)

डॉ. वीरेन्द्र कुमार: माननीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार के समय नदियों को आपसे में जोड़ने की योजना के अंतर्गत केन-बेतवा नदी को जोड़ने का काम प्राथमिकता के आधार पर लिया गया था । बीच में दस वर्ष जो यूपीए की सरकार आई, उस 10 वर्ष के कार्यकाल में नदियों को आपस में जोड़ने के काम को पूरी तरह से बंद कर दिया गया था । इसके कारण काफी कठिनाइयों का सामना बुंदेलखंड वासियों को करना पड़ा । पिछले 5 वर्षों में केन-बेतवा नदी को जोड़ने के काम पर काफी काम हुआ है । इसके कारण बुंदेलखण्ड में, विशेष रूप से टीकमगढ़ और छतरपुर क्षेत्र के लोगों में एक आशा और विश्वास का संचार हुआ है ।

सरकार की नदियों को आपस में जोड़ने की जो योजना है, जिसमें केन-बेतवा नदी का काफी काम हो गया है । मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि केन-बेतवा नदी को जोड़ने का काम शीघ्र प्रारम्भ किया जाए, जिससे टीकमगढ़, छतरपुर सहित बुंदेलखण्ड के सभी लों में वहां के किसानों को सिंचाई की सुविधाओं का विस्तार हो सके और साथ ही साथ पेयजल की समस्या का निराकरण भी हो सके ।

माननीय सभापति: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को डॉ. वीरेन्द्र कुमार द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

…(व्यवधान)

माननीय सभापति: आप दो वाक्यों में कनक्लूड कीजिए ।

श्री रवनीत सिंह: थैंक यू चेयरमैन सर, मैं आपका बहुत ही आभारी हूं, क्योंकि यह इंपोर्टेंट इश्यू है । यहां पर अकाली दल के जो प्रधान हैं, जिनके अंडर एसजीपीसी भी है, गुरुद्वारा प्रबंधन कमेटी भी है, सुखबीर सिंह बादल और जो चटनी और अचार की मंत्री हरसिमरत हैं, उन्होंने आज तक एक लब्ज़ नहीं बोला । …(व्यवधान) सर, इसकी इंक्वायरी होनी चाहिए ।…(व्यवधान)

माननीय सभापति: यह बात नहीं है । राहुल रमेश शेवाले जी, आप अपनी बात कहिए ।

…(व्यवधान)